Indian J. Soc. & Pol. 08 (02) : 113-114 : 2021 **ISSN: 2348-0084 (PRINT)**
31 JULY 2021 **ISSN: 2455-2127(ONLINE)**

माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के कार्य सन्तुष्टि का तुलनात्मक अध्ययन

सन्तोष कुमार[1]

[1]शोध छात्र, शिक्षाशास्त्र विभाग, हण्डिया पी0जी0 कॉलेज, हण्डिया, प्रयागराज, उ0प्र0 भारत

ABSTRACT

प्राचीन काल में जहां शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान प्राप्ति था वहीं वर्तमान में शिक्षा का मुख्य उद्देश्य ज्ञान प्राप्ति के साथ ही व्यवसाय भी प्राप्त करना है। बहुत से व्यवसाय हैं परन्तु व्यवसाय के लिए व्यक्ति की रुचि, योग्यता एवं क्षमता उसके अनुरुप होनी चाहिए। शिक्षा के क्षेत्र में अध्यापक का कार्य निष्पादन सर्वाधिक निवेश है। शिक्षा से सम्बन्धित योजनाओं को सफलता पूर्वक क्रियान्वित करना शिक्षकों के व्यक्तिगत व्यवहार, शिक्षण अधिगम प्रक्रियाओं व व्यावसायिक अभिवृत्ति पर निर्भर करता है। पूर्णतः प्रतिबद्ध, परिश्रमी व सृजनशील शिक्षकों ने शिक्षा प्रणाली में व्याप्त असन्तोष नगण्य लाभों के बावजूद अपने–अपने व्यावसायिक दायित्वों को समर्पण के साथ सफलता पूर्वक पूर्ण किया है। दूसरी तरफ काफी संख्या में ऐसे व्यक्ति भी अध्यापक बन जाते हैं जिनमें शिक्षण अभिक्षमता एवं अभिवृत्ति की कमी होती है। ऐसे शिक्षकों के कारण हमारे शिक्षा तंत्र पर अंगुली उठती है। प्रस्तुत शोध पत्र से प्राप्त आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या के द्वारा हम कह सकते हैं कि लिंग के आधार पर पुरुष एवं महिला शिक्षकों के कार्य सन्तुष्टि में कोई अन्तर नही है।

KEYWORDS:शिक्षक, माध्यमिक स्तर, कार्यसंतुष्टि, लिंग, प्रयागराज

शोध के उद्देश्य

1. माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के शिक्षकों का लिंग के आधार पर कार्य संतुष्टि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के शिक्षकों का विषय के आधार पर कार्य संतुष्टि का तुलनात्मक अध्ययन करना।

शोध परिकल्पना

1. माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के शिक्षकों में लिंग के आधार पर कार्य संतुष्टि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
2. माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के शिक्षकों में विषय के आधर पर कार्य संतुष्टि में कोई सार्थक अन्तर नही है।

शोध विधि

प्रस्तुत शोध का अध्ययन पूर्ण करने के लिए प्रयागराज जनपद के अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों का चयन किया गया। इन विद्यालयों के शिक्षकों को अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित पुरुष एवं महिला तथा कला एवं विज्ञान वर्ग के शिक्षकों को बराबर भाग में बाँट कर सर्वेक्षण विधि से अध्ययन किया गया है। प्रदत्तों का संकलन विद्यालय स्तर पर जा कर एकत्रित किया गया है। प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन तथा क्रांतिक अनुपात (GR) का प्रयोग किया गया है।

शोध उपकरण के रुप P. Kumar और D.N. Muthe द्वारा निर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्तों का संकलन

प्रस्तुत अध्ययन को पूर्ण करने के लिए जनसंख्या मे से शिक्षको का प्रतिनिधियात्माक समूह का चयन किया गया। विद्यालयों एवं शिक्षकों का चयन प्रयागराज जनपद से किया गया है, इसके लिए 60 विद्यालयों के 600 शिक्षकों का सर्वेक्षण एवं साक्षात्कार किया गया, इसमें इसकी रुपरेखा निम्न प्रकार से है

प्रस्तुत अध्ययन में चयन किये गये उद्देश्यों के सन्दर्भ में विश्लेषण और व्याख्या की गयी है जिसमें प्रत्येक अध्ययन को पूर्ण करने के लिए लिंग और विषय को आधार बनाया गया है। इसी के आधार पर शून्य परिकल्पनाओं का परीक्षण किया गया, जिनका आधार 0.05 सार्थकता स्तर रखी गयी है, जिनके आधार पर इसे स्वीकृत या अस्वीकृत किया जा सकता है।

प्रथम उद्देश्य से सम्बन्धित विश्लेषण व व्याख्या

प्रस्तुत अध्ययन पूर्ण करने के क्रम में प्रथम उद्देश्य निर्धारित किया गया है कि– "माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के शिक्षकों का लिंग के आधार पर कार्य सन्तुष्टि का तुलनात्मक अध्ययन करना" इस उद्देश्य के अध्ययन को पूर्ण करने के लिए दो शून्य परिकल्पना बनायी गयी है जिसको परिकल्पनाओं के आधार पर आगे विश्लेषण व व्याख्या किया गया है–

लिंग के आधार पर शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि का अध्ययन

लिंग के आधार पर कार्य संतुष्टि के लिए शून्य परिकल्पना बनायी गयी थी कि– "माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के शिक्षकों का लिंग के आधार पर कार्य संतुष्टि में सार्थक अन्तर नही है"। अध्ययन से निम्नलिखित आँकड़े प्राप्त हुए।

तुलनात्मक समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मानक त्रुटि	CR मूल्य
पुरुष शिक्षक	300	20.1	9.65	1.07	1.56
महिला शिक्षक	300	18.4	9.07		

प्रस्तुत अध्ययन विश्लेषण तालिका से स्पष्ट है कि माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के पुरुष शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि के प्रति मध्यमान 20.1 तथा मानक विचलन 9.65 और महिला शिक्षकों के मध्यमान 18.4 तथा मानक विचलन 9.07 है जिनमें मानक त्रुटि 1.07 है व CR मूल्य 1.56 है। जो DF (298) के 0. 05 सार्थकता स्तर पर 1.98 से कम है। जिससे बनायी गयी शून्य

1: Corresponding Author

परिकल्पना "लिंग के आधार पर शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि समान स्तर की होती है। जो स्वतः ही स्वीकृत हो जाती है इससे स्पष्ट होता है कि पुरुष एवं महिला शिक्षकों में कार्य संतुष्टि समान होती है।

प्रस्तुत अध्ययन से प्राप्त आँकड़ों का विश्लेषण करने से स्पष्ट हो रहा है कि शिक्षकों के व्यवसाय, वेतन, सुविधाएं अन्य भत्ते असमान होते हुए भी एवं योग्यता क्षमता समान होते हुए लिंग के आधार पर पुरुष एवं महिला शिक्षकों के कार्य संतुष्टि में कोई अन्तर प्रतीत नही होता है

द्वितीय उद्देश्य से सम्बन्धित विश्लेषण व व्याख्याः–

विषय के आधार पर शिक्षकों के कार्य संतुष्टि का अध्ययन

विषय के आधार पर शून्य परिकल्पना बनायी गयी थी कि– "माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के शिक्षकों में विषय के आधार पर कार्य संतुष्टि में कोई सार्थक अन्तर नही है" कार्य संतुष्टि का परीक्षण करने के लिए मैनें दो समुह का निर्माण किया जिसमें

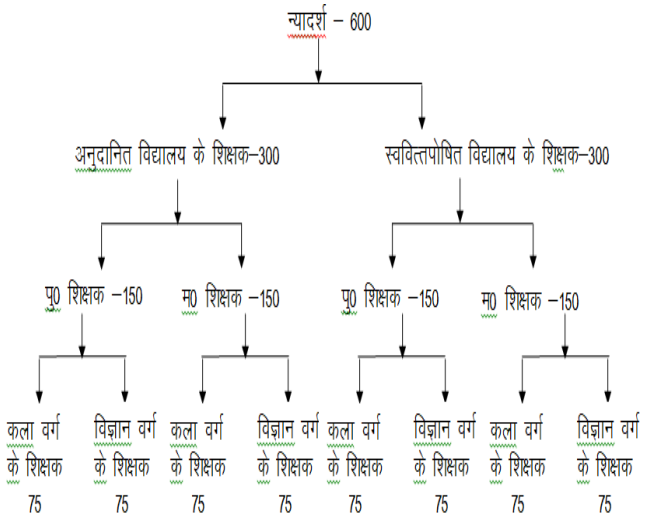

प्रथम समुह में कला वर्ग के विषय में शिक्षणरत शिक्षकों को परीक्षण हेतु रखा था। प्रस्तुत अध्ययन से निम्नलिखित आँकड़े प्राप्त हुए।

तुलनात्मक समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मानक त्रुटि	CR मूल्य
विज्ञान वर्ग के शिक्षक	300	22.76	8.69	1.36	0.54
कला वर्ग के शिक्षक	300	21.93	13.81		

तालिका का अवलोकन करने से स्पष्ट हो रहा है कि विज्ञान वर्ग के शिक्षकों की मध्यमान 22.76 व मानक विचलन 8.69 है। दूसरी ओर कला वर्ग के शिक्षकों का मध्यमान 21.93 व मानक विचलन 13.81 है। जिसमें मानक त्रुटि 1.36 और CR मूल्य 0.54 है। जो DF (298) के 0.05 सार्थकता स्तर पर 1.98 से कम है जिनके आधार पर शून्य परिकल्पना स्वतः ही स्वीकृत हो जाता है। इससे स्पष्ट है कि कला व विज्ञान वर्ग के शिक्षकों की कार्य संतुष्टि में सार्थक अन्तर नहीं है।

प्रस्तुत अध्ययन से प्राप्त आँकडो के आधार पर कहा जा सकता है कि कला व विज्ञान वर्ग के शिक्षकों की व्यवसाय, वेतन, सुविधायें अन्य भत्ते व सुविधायें असमान होने तथापि एक ही प्रकार के प्रशासन तंत्र के कार्य करने के अधीन दोनों वर्ग के लिए कार्य दिवस, समय पालन, अनुशासन समान होने से दोनों के कार्य संतुष्टि में कोई अन्तर प्रतीत नही होता है।

शैक्षिक निहितार्थ

प्रस्तुत शोध पत्र से प्राप्त आँकडो का विश्लेषण एवं व्याख्या करने पर हम कह सकते हैं कि लिंग के आधार पर पुरुष एवं महिला शिक्षकों के कार्य सन्तुष्टि में कोई अन्तर नही है, क्योंकि दोनो वर्ग के शिक्षकों में वेतन, महंगाई–भत्ते अन्य भत्ते, अन्य आर्थिक सुविधायें असमान होने के बावजूद एक ही प्रशासन तंत्र के अधीन कार्य करने के कारण उसकी कार्य अवधि, समय, अनुशासन समान रहता है। अतः लिंग के आधार पर कार्य सन्तुष्टि में कोई अन्तर नही दिखता है। दूसरी तरफ विषय के आधार पर भी वेतन, महंगाई भत्ते, अन्य भत्ते एवं अन्य आर्थिक सुविधाएं असमान होने के बावजूद दोनों के प्रशासन, कार्यावधि, अनुशासन, समय पालन समान होने के कारण कला एवं विज्ञान वर्ग के शिक्षको को कार्य सन्तुष्टि पर कोई अन्तर नजर नहीं आता। इसके बावजूद शोध पत्र के अध्ययन में आर्थिक विषमता असमान वेतन एवं अन्य सुविधाओं में असमानता मुखर होकर सामने आयी, जिसे शासन को प्रभावी तरीके से हल करने का प्रयास करना चाहिए।

REFERENCES

भट्टाचार्या डॉ0 जी0 सी0–(2007–08) *अध्यापक शिक्षा,* आगरा, अग्रवाल पब्लिकेशन

राय पारसनाथ–(2018) *अनुसंधान परिचय,* आगरा, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल

सारस्वत डॉ0 मालती–(2014) *शिक्षा मनोविज्ञान की रुपरेखा,* लखनऊ, आलोक प्रकाशन

अस्थाना विपिन एवं श्रीवास्तव विजया–(2012–13) *शैक्षिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी,* आगरा, अग्रवाल पब्लिकेसन्स

गुप्ता डॉ0 एस0 पी0–(2018) *अनुसंधान संदर्शिका सम्प्रव्यय, कार्य विधि एवं प्रविधि,* प्रयागराज, शारदा पुस्तक भवन